इलेक्ट्रिक उपकरणों का नया एक्सपोर्ट हब बना अलीगढ़

2025 में अक्तूबर तक 50 करोड़ रुपये का हुआ निर्यात

अमर उजाला ब्यूरो

अलीगढ़। ताले और पीतल उद्योग के लिए पहचाने जाने वाले अलीगढ़ ने अब निर्यात के मोर्चे पर एक नई दिशा पकड़ी है। वैश्विक बाजार में टैरिफ और प्रतिस्पर्धा से आ रहे झटकों के बीच, इलेक्ट्रिक उपकरणों का निर्यात शहर के लिए एक बड़ी राहत बनकर उभरा है।

वित्तीय वर्ष 2025 में अक्तूबर तक अलीगढ़ से इलेक्ट्रिक उपकरणों का निर्यात 50 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। (स्रोतः उत्तर प्रदेश निर्यात प्रोत्साहन परिषद) निर्यात के मोर्चे पर यह आंकड़ा शहर के व्यापारिक परिदृश्य के लिए अच्छा संकेत है।

निर्यात में नई आशा

लंबे समय से अलीगढ़ के ताला और पीतल उद्योग विभिन्न देशों में टैरिफ संबंधी बाधाओं और कच्चे माल की बढ़ती कीमतों के कारण निर्यात के मोर्चे पर संघर्ष कर रहे थे। ऐसे में इलेक्ट्रिक उपकरणों के निर्यात में यह उछाल शहर के उद्यमियों और श्रमिकों के लिए आशा की नई किरण लेकर आया है।

ये उपकरण हो रहे निर्यात

बोर्ड, पैनल और कंसोल, डेस्क, कैबिनेट और अन्य बेस, सर्किट ब्रेकर के पुर्जे, विद्युत कनेक्टर, केबल लग्स, टिनड कॉपर केबल लग्स, कॉपर रिंग टाइप केबल लग्स, एल्युमिनियम लग्स, एक्सटेंशन बोर्ड आदि ।

यह नया एक्सपोर्ट सेगमेंट न केवल अलीगढ़ के निर्यात कारोबार को स्थिरता देगा, बल्कि भविष्य में और अधिक निवेश और रोजगार सृजन का मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

- धनजीत वाड्रा, निर्यातक

एनसीआर से नजदीकी अलीगढ़ के कारीगारों के लिए कौशल प्रदान करती है। यही कारण है कि निर्यात के लिए नई संभावनाएं बनीं। जेवर एयरपोर्ट शुरू हो जाने के बाद अलीगढ़ प्रदेश का प्रमुख निर्यात स्थल बनकर उभरेगा। **- आशुतोष वार्ष्णेय, अध्यक्ष, अलीगढ़ एक्सपोर्ट,एसोसिएशन**